



ॐ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

आरव शर्मा की राहु— केतु गोचर रिपोर्ट

नमूना रिपोर्ट • काल्पनिक व्यक्ति

Aarav Sharma

15 अगस्त 1991 • 06:40

Jaipur, Rajasthan, India



IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

इस रिपोर्ट में

01 आपकी जन्म कुंडली में राहु और केतु

05 धुरी के साथ काम करना

02 पातों का मार्ग, तिथियों के साथ

06 पारंपरिक उपाय

03 भाव दर भाव

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

04 पात और आपकी दशा

01 आपकी जन्म कुंडली में राहु और केतु

आरव, राहु और केतु चंद्रमा के पात हैं, वे दो बिंदु जहाँ चंद्रमा का मार्ग सूर्य के मार्ग को काटता है। वे सदा ठीक आमने-सामने रहते हैं, और राशिचक्र में उल्टी दिशा में चलते हुए हर राशि में लगभग अठारह महीने बिताते हैं।

आपकी जन्म की धुरी

आपके राहु धनु में 23°25' पर आपके पाँचवें भाव में, पूर्वाषाढ़ा चरण 4 में, और आपके केतु मिथुन में 23°25' पर आपके ग्यारहवें भाव में, पुनर्वसु चरण 2 में बैठे हैं। आपकी जन्म की धुरी रचनात्मकता, अध्ययन और संतान के पाँचवें भाव और लाभ व संपर्कों के ग्यारहवें भाव के बीच चलती है।

पाँचवें भाव में राहु आपको मौलिक विचारों और नए क्षेत्रों की ओर खींचते हैं; ग्यारहवें भाव में केतु बड़े दायरों और केवल लाभ के लिए लाभ के प्रति अनासक्ति देते हैं। इस धुरी का सबक है अपना कुछ रचना और पहचान को उसके पीछे आने देना।

02 पातों का मार्ग, तिथियों के साथ

दो वर्षों में तीन ठहराव

गोचर में राहु 5 दिसंबर 2026 तक कुंभ में हैं, और सामने गोचर में केतु सिंह में। 5 दिसंबर 2026 से 23 जून 2028 तक गोचर में राहु मकर में और केतु कर्क में हैं। 23 जून 2028 से गोचर में राहु धनु में और केतु मिथुन में प्रवेश करते हैं।

यह अंतिम परिवर्तन विशेष है: जून 2028 से दोनों पात उन्हीं राशियों में लौट आते हैं जिनमें वे आपके जन्म के समय थे। परंपरा इसे पातों की वापसी कहती है, और यह लगभग हर साढ़े अठारह वर्ष में आती है।

- ♦ 23 जून 2028 से दोनों पात अपनी जन्म राशियों में लौटते हैं: आपकी पातों की वापसी, लगभग हर साढ़े अठारह वर्ष में।

03 भाव दर भाव

हर ठहराव को आपके लग्न सिंह से और आपके चंद्रमा तुला से पढ़ा गया है।

5 दिसंबर 2026 तक: सातवें भाव में राहु का गोवर, लग्न पर केतु का

कुंभ, आपके सातवें भाव और चंद्रमा से पाँचवें स्थान, से राहु का गोचर साझेदारियों, अनुबंधों और जनता से व्यवहार को अस्थिर या असामान्य महसूस करा सकता है, और आपके जीवन में अपरंपरागत लोगों को ला सकता है। सिंह, आपके लग्न, पर केतु का गोचर बेचैन, भीतर की ओर मुड़ा मन देता है: आप कौन हैं और क्या चाहते हैं, इस पर प्रश्न। इन सप्ताहों में साझेदारी के महत्वपूर्ण निर्णय धीरे लें।

दिसंबर 2026 से जून 2028: छठे भाव में राहु का गोवर, बारहवें में केतु का

मकर, आपके छठे भाव और चंद्रमा से चौथे स्थान, से राहु का गोचर परंपरा में राहु के सबसे अच्छे गोचरों में से एक है: प्रतिस्पर्धा में सफलता, समस्या-समाधान, कड़ी मेहनत और सेवा, और कठिन लोगों व स्थितियों को संभालने की असाधारण क्षमता। आपके छठे भाव में पहले से अपनी राशि के शनि हैं, इसलिए यह गोचर दृढ़, व्यावहारिक प्रयास का साथ देता है। चंद्रमा से चौथा स्थान घर और मन की शांति का कुछ ध्यान माँगता है।

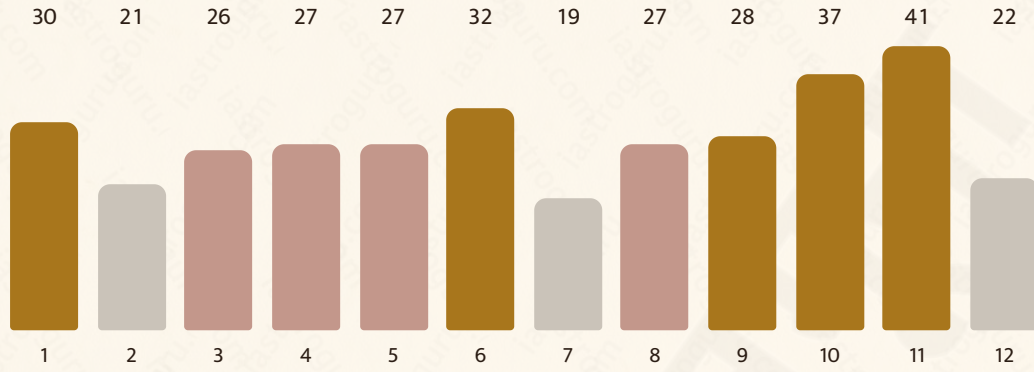
कर्क, आपके बारहवें भाव और चंद्रमा से दसवें स्थान, से केतु का गोचर एकांत, ध्यान, शोध, विदेश यात्रा और उन प्रतिबद्धताओं को छोड़ने के पक्ष में है जो अब मेल नहीं खातीं। यह शांत, पर्दे के पीछे के काम का अच्छा काल है।

- ♦ दिसंबर 2026 से जून 2028: आपके छठे भाव से राहु का गोचर, उनका सबसे अच्छा, प्रतिस्पर्धा और कड़ी मेहनत के लिए।

जून 2028 से: पातों की वापसी

गोचर में राहु धनु, आपके पाँचवें भाव और चंद्रमा से तीसरे स्थान, में लौटते हैं, और केतु मिथुन, आपके ग्यारहवें भाव, में। पातों की वापसी अक्सर आपकी जन्म की धुरी के विषयों को फिर से जगाती है: एक ओर रचनात्मक परियोजनाएँ, अध्ययन और नए विचार, और दूसरी ओर मित्रताओं और लाभ पर नई दृष्टि। कुछ मौलिक शुरू करने का यह स्वाभाविक क्षण है।

भाव अनुसार सर्वाष्टकवर्ग



हर भाव के बिंदु (कुल 337)। 28 या अधिक पारंपरिक रूप से बलवान; 25 से कम में सावधानी।

04 पात और आपकी दशा

अगस्त 2027 तक राहु अंतर्दशा

आप 26 अगस्त 2027 तक गुरु महादशा के भीतर राहु अंतर्दशा में हैं। जब गोचर के राहु और राहु की अंतर्दशा साथ चलते हैं, तो राहु के विषय अधिक प्रबलता से महसूस होते हैं: जानने की इच्छा, महत्वाकांक्षा, असामान्य अवसर और बेचैनी। दिसंबर 2026 में गोचर में राहु का आपके छोटे भाव में जाना उस ऊर्जा को काम और प्रतिस्पर्धा की ओर मोड़ता है, जो उसका सबसे उत्पादक रास्ता है।

आपकी शनि महादशा 26 अगस्त 2027 को शुरू होती है, और उसकी राहु अंतर्दशा बाद में, अप्रैल 2041 से फरवरी 2044 तक आती है।

विंशोत्तरी महादशाएँ

मंगल

1991–1993

राहु

1993–2011

गुरु

2011–2027

शनि

2027–2046

बुध

2046–2063

केतु

2063–2070

शुक्र

2070–2090

सूर्य

2090–2096

चंद्र

2096–2106

05 घुरी के साथ काम करना

एक सरल योजना

दिसंबर 2026 तक नई साझेदारियों में धीमे चलें और हर अनुबंध दो बार पढ़ें। दिसंबर 2026 से एक कठिन लक्ष्य के प्रति लगन से जुड़े हों, कोई परीक्षा, कोई कठिन परियोजना या कोई प्रतिस्पर्धी आवेदन, और आपके छठे भाव से राहु के गोचर को उसमें मदद करने दें। बारहवें भाव से केतु के गोचर का उपयोग विश्राम, अध्ययन और छोड़ने के लिए करें। जून 2028 से वह रचनात्मक या सीखने की परियोजना शुरू करें जिसकी ओर आपकी कुंडली संकेत करती रही है।

06 पारंपरिक उपाय

राहु और केतु के लिए

परंपरा में राहु दुर्गा की भक्ति, दुर्गा चालीसा के पाठ, और आवारा पशुओं, विशेषकर कुत्तों, को खाना खिलाने से संतुलित होते हैं। केतु गणेश की भक्ति और शांत आध्यात्मिक अभ्यास से संतुलित होते हैं।

पातों का सबसे व्यावहारिक उपाय ईमानदारी और सरलता है: शॉर्टकट से बचें, अपने कागजात व्यवस्थित रखें, और अपनी बेचैनी को काम करने के लिए एक वास्तविक लक्ष्य दें।

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

पातों के राशि परिवर्तन iAstroGuru Engine ने मध्यम चंद्र पात से निकाले हैं, लाहिड़ी अयनांश और संपूर्ण राशि भाव के साथ। सत्य पात का प्रयोग करने वाले पंचांगों में कुछ दिनों का अंतर हो सकता है।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, और यहाँ कुछ भी चिकित्सीय, कानूनी या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए 29 सितंबर 2026 से शुरू होने वाले दो वर्षों के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।

इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।



Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)

Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:35 IST

Document ID IAG-4DHT-RW5A-RWNQ